University in News on 15 February 2020

i-Next Page 4

कंपनियां आएंगी, 7 हजार जॉब लाएंगी

INITIATIVE

एलयू के इतिहास की सबसे बड़ी प्लेसमेंट ड्राइव में शामिल होंगी 131 से अधिक कंपनियां

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (14 Feb): अगर सब ठीक रहा तो कुछ माह में एलयू स्टूडेंट्स को जॉब देने कई कंपनियां एलयू कैंपस आएंगी. एलयू का सेंट्रल प्लेसमेंट सेल अप्रैल से पहले यूनिवर्सिटी स्तर पर बड़ी प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित करने जा रहा है. जिसमें देश-विदेश की नामचीन कंपनियां एलयू और संबद्ध कॉलेजों के स्टूडेंट्स को जॉब का मौका देंगी.

वेबसाइट पर देंगे जानकारी

सीपीसी की डायरेक्टर डॉ. मधुरिमा लाल ने बताया कि यूनिवर्सिटी में प्लेसमेंट के लिए दो वर्ष में काफी काम किया गया है. इसी कड़ी में हम पहली बार इतने बड़े लेवल पर प्लेसमेंट ड्राइव करने जा रहे हैं. इसकी जानकारी एलयू की आधिकारिक वेबसाइट पर जल्द जारी की जाएगी.

सात हजार पदों पर जॉब

डॉ. मधुरिमा ने बताया कि हमारी कोशिश है कि हम 7000 पदों के लिए प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित करें. इसके लिए करीब 131 कंपनियों ने अपनी सहमति दे दी है. कंपनियां ने 8000 से 5 लाख रुपए सालाना का पैकेज देने आ रही हैं. इस ड्राइव से कई अन्य कंपनियों के जुड़ने की भी उम्मीद है.

CONCEPT PICS

131 से अधिक कंपनियां होंगी शामिल

171 कॉलेजों के स्टूडेंट्स को मिलेगा मौका

05 लाख सालाना तक का पैकेज देंगी कंपनियां

कॉलेजों को भी मिलेगा मौका

डॉ. लाल ने बताया कि हम इस ड्राइव में अपने 171 कॉलेजों को भी शामिल करने की तैयारी कर रहे हैं. इस संबंध में यूनिवर्सिटी प्रशासन को एक प्रस्ताव भेजा जाएगा. वहां से मंजूरी मिलते ही हम अपने सभी कॉलेजों के स्टूडेंट्स को प्लेसमेंट ड्राइव में शामिल होने का मौका देंगे. यह एलयू के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा प्लेसमेंट ड्राइव होगा. ज्ञात हो कि एलयू में सेंट्रल प्लेसमेंट सेल का गठन 2017 में पूर्व वीसी प्रो. एसपी सिंह द्वारा किया गया था.

नामचीन कंपनियां एलयू और संबद्ध कॉलेजों के स्टूडेंट्स को देंगी जॉब.

पहले भी दिलाई हैं जॉब

डॉ. मधुरिमा ने बताया कि सेशन 2018-19 में 15 प्लेसमेंट ड्राइव हुए थे, जिसमें एलयू के करीब 12 सौ से अधिक स्टूडेंट्स को जॉब मिली थी. वहीं 9000 के करीब स्टूडेंट्स को प्लेसमेंट के लिए बेसिक ट्रेनिंग दी जा चुकी है. इस बार ऐसी कंपनियों को भी बुलाया जा रहा है, जो हमारे ट्रेडिशनल कोर्सेस के स्टूडेंट्स को भी प्लेसमेंट का मौका देंगी.

15 से अधिक कोर्सेस के 25 हजार छात्रों का लटका रिजल्ट

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (14 Feb): एलयू में सेमेस्टर एग्जाम खत्म हुए डेढ़ माह से अधिक का समय हो गया है लेकिन अभी करीब डेढ़ दर्जन कोर्सेस की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पूरा नहीं हो सका है. एक ओर रिजल्ट न आने से स्टूडेंट परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर टीचर्स भी कॉपी जांचने से कतरा रहे हैं. जबकि एग्जाम डिपार्टमेंट बार-बार विभागों से मूल्यांकन करने को कह रहा है. जिस पर इन विभागों के एचओडी ध्यान नहीं दे रहे हैं. गौरतलब है कि बीएफए ऑनर्स, पॉलिटिकल साइंस, हिंदी, मनोविज्ञान और एमसी जियोलॉजी और फिजिक्स आदि विभागों का रिजल्ट अभी जारी नहीं हुआ है.

जिन विषयों की कॉपियों का मूल्यांकन बाकी है, उन विभागों के एचओडी की मीटिंग बुलाकर जल्द मूल्यांकन पूरा कराने को कहा जाएगा. एके मिश्रा, परीक्षा नियंत्रक, एलयू

आर्ट्स की सर्वाधिक कॉपियां

जिन सब्जेक्ट का मूल्यांकन अभी नहीं हुआ है, उसमें सर्वाधिक कॉपियां आर्ट्स फैकेल्टी की हैं. इस फैकेल्टी के टीचर मूल्यांकन में रुचि नहीं ले रहे हैं. वहीं इस लेटलतीफी के चलते करीब 25 हजार के करीब स्टूडेंट्स को यह भी नहीं पता चल रहा है कि वे सेमेस्टर में पास हैं भी कि नहीं.

प्लेसमेंट सेल को लेकर वीसी काफी सक्रिय हैं. हमारी कोशिश है कि हम इस प्लेसमेंट सेल को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक कंपनियों को आकर्षित करें. इस संबंध में सीपीसी सेल से जानकारी मंगी गई है, उसी के अनुसार तैयारी की जाएगी. बिनोद कुमार सिंह, कुलसचिव, एलयू

NBT Page 8

'विधि छात्रों के लिए पथ प्रदर्शक का काम कर रहा एलयू'

लखनऊ विश्वविद्यालय के न्यू कैंपस में शुरू हुई मूट कोर्ट प्रतियोगिता।

■ एनबीटी, लखनऊ

लखनऊ यूनिवर्सिटी, न्यू कैंपस में विधि संकाय की लखनऊ विश्वविद्यालय मूट कोर्ट कमिटी ने डॉ.आरयू सिंह मेमोरियल छद्म न्यायालय प्रतियोगिता की शुरुआत की. तीन दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के विधि एवं न्याय मंत्री बृजेश पाठक रहे। उन्होंने कहा कि गौरव की बात है कि लखनऊ यूनिवर्सिटी विधि के क्षेत्र में छात्रों के लिए पथ प्रदर्शक का काम कर रहा है।

पहली बार शुरू हुई प्रतियोगिता, तीन दिन तक चलेगी

कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि विधानसभा के सदस्य पंकज सिंह रहे। उन्होंने प्रतियोगिता के विषय अनुच्छेद 370 पर बोलते हुए कहा कि पहली बार एलयू का विधि संकाय इस विषय पर प्रतियोगिता करवा रहा है। उन्होंने कहा कि जब भी दुनिया को नई तकनीक की जरूरत होती है तो वो जापान, अमेरिका या कोरिया की तरफ देखती है। जब भी दुनिया को नई गाड़ियों की जरूरत होती है, वो जर्मनी, फ्रांस की तरफ देखती है। लेकिन जब भी दुनिया को नई प्रतिभा की जरूरत होती है तो भारत की ओर देखा जाता है.

इस दौरान प्रफेसर ध्रुवसेन सिंह, सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश केके शर्मा भी मौजूद रहे। एलयू न्यू कैंपस के इंचार्ज प्रफेसर यादव ने मूटिंग के अर्थ को बताया। छद्म न्यायालय दल के शिक्षक-संयोजक पंचऋषि देव शर्मा ने भी अपनी बात रखी।

AMAR UJALA-MY CITY Page 7

विज्ञान संकाय में शोध के लिए कंप्यूटर का ज्ञान होना जरूरी

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में पीएचडी करने के लिए विद्यार्थी को कंप्यूटर का ज्ञान होना जरूरी होगा। विवि ने पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के लिए अपना सेलेबस जारी कर दिया है। इसके अनुसार सभी संकाय के विद्यार्थियों को दो पेपर की परीक्षा देनी होगी। पहला भाग शोध प्रविधि पर आधारित होगा। इस बार हर संकाय ने शोध प्रविधि का अलग-अलग सेलेबस तैयार किया है। विज्ञान संकाय ने अपने सेलेबस में कंप्यूटर बेसिक जानकारी के साथ ही एक्सेल, पावर प्वाइंट और वर्ड, कंप्यूटर सिस्टम, तकनीक और बाइनेरी सिस्टम को शामिल किया। दूसरे पेपर में सभी संकायों में विषय से संबंधित सवाल पूछे जाएंगे।

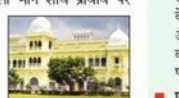

लविवि की प्रवेश परीक्षा 16 से 20 मार्च के बीच प्रस्तावित है। विवि की 492 सीट के लिए इस बार 5,260 आवेदन आए हैं। पीएचडी प्रवेश परीक्षा में लिखित परीक्षा 70 अंक की और मौखिक 30 अंक की होगी। लिखित परीक्षा में दो भाग होंगे। दोनों भाग 35-35 नंबर के होंगे। दोनों में ही एक-एक नंबर के 35-35 सवाल होंगे। परीक्षा में निगेटिव मार्किंग नहीं रखी गई है। पिछले साल लविवि में शोध प्रविधि का पेपर सभी संकायों के लिए एक समान रखा गया था। इस पर काफी चर्चा हुई। शिक्षकों का कहना था कि हर विषय में शोध की प्रविधि अलग होती है। इसलिए सभी संकाय का पेपर एक समान नहीं होना चाहिए। इसके बाद लविवि ने इस साल की प्रवेश परीक्षा के लिए हर संकाय का अलग पेपर कराने का फैसला किया है। सभी संकायों ने अपना सेलेबस तैयार कर लिया है। विवि ने वेबसाइट पर इसे डाल दिया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने जारी किया पीएचडी प्रवेश परीक्षा का सेलेबस

- **रिपोर्ट व डॉक्यूमेंटेशन सभी के लिए अनिवार्य** सभी संकायों ने प्रवेश परीक्षा के सेलेबस में रिपोर्ट और डॉक्यूमेंटेशन को अनिवार्य किया है। साथ ही डाटा एनालिसिस तथा शोध के प्रकार और अच्छे शोधकर्ता के गुण भी सभी संकायों के सेलेबस में शामिल हैं। दूसरे पेपर विषय पर आधारित हैं। विवि प्रशासन ने पहले ही साफ कर दिया था कि यह पेपर लविवि के परास्नातक पाठ्यक्रम पर आधारित होगा।
- **प्रवेश परीक्षा में 50% नंबर लाना अनिवार्य** यूजीसी गाइडलाइन के अनुसार प्रवेश परीक्षा में 50 फीसदी नंबर लाने वाले अभ्यर्थी ही दाखिले के पात्र होंगे। भले ही किसी विभाग में 50 फीसदी नंबर लाने की अनिवार्यता पूरी करने वाले अभ्यर्थियों की संख्या निर्धारित सीट से कम हो जाए। ऐसी सूरत में सीट खाली रहेंगी, लेकिन पीएचडी में 50 फीसदी से कम नंबर लाने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाया जाएगा।